

चाह नहीं, मैं सुरबाला के,  
गहनों में गुंथा जाऊँ,  
चाह नहीं, प्रेमी-माला में,  
बिंदु धारी का ललचाऊँ।

चाह नहीं, सम्राटों के शव पर,  
हे हरि, डाला जाऊँ !  
चाह नहीं, देवी के शिर पर,  
चढ़ूँ, भ्रातृ पर इठलाऊँ।

मुझे तोड़ लेना वनमाली,  
उस पथ पर देना तुम केक,  
भानुभूमि पर शीश चढ़ाने  
जिस पथ पर जावे वीर अनेक !

— माखनलाल चतुर्वेदी

## पर्यायवाची शब्द

किसी शब्द के समान अथवा एक-सा अर्थ  
बताने वाले शब्दों को 'पर्यायवाची' अथवा  
'समानार्थक' शब्द कहते हैं; जैसे -

| शब्द      | पर्यायवाची              |
|-----------|-------------------------|
| 1. अहंकार | - धमंड, गर्व, अभिमान    |
| 2. जल     | - पानी, नीर, स्तलिन     |
| 3. आकाश   | - नभ, गगन, आसमान        |
| 4. फूल    | - पुष्प, सुमन, कुसुम    |
| 5. उपवन   | - बाग, वार्तिका, वगीचा  |
| 6. कष्ट   | - पीड़ा, दुःख, व्यथा    |
| 7. इच्छा  | - अभिन्ताषा, चाह, कामना |
| 8. पवन    | - वायु, समीर, हवा       |
| 9. मानव   | - आदमी, मनुष्य, इन्सान  |
| 10. शत्रु | - निशा, शत्रि, रजनी     |

गिनती :- 1- २५

२ - एक

२ - दो

३ - तीन

४ - चार

५ - पाँच

६ - छः

७ - सात

८ - आठ

९ - नौ

१० - दस

११ - ग्यारह

१२ - बारह

१३ - तेरह

१४ - चौदह

१५ - पंद्रह

१६ - सोलह

१७ - सत्रह

१८ - अठारह

१९ - उन्वीस

२० - बीस

२१ - इक्कीस

२२ - बाईस

२३ - तीस

२४ - चौबीस

२५ - पच्चीस

संज्ञा

संज्ञा की परिभाषा :- किसी प्राणी वस्तु, स्थान एवं भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के भेद :-

\* व्यक्तिवाचक संज्ञा

\* जातिवाचक संज्ञा

\* भाववाचक संज्ञा

\* समूहवाचक संज्ञा

\* द्रव्यवाचक संज्ञा

I. नीचे दिए गये वाक्यों में से संज्ञा के भेद

लिखिए :-

1. कोलकाता बड़ा शहर है। - व्यक्तिवाचक संज्ञा

2. बच्चे खेल रहे हैं। - जातिवाचक संज्ञा

3. मैं शीत दूध पीता हूँ। - द्रव्यवाचक संज्ञा

4. लोगों का भीड़ है। - समूहवाचक संज्ञा

5. सैनिक ने अपनी वीरता दिखाई। - भाववाचक संज्ञा